मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 165, मुंबई, मंगलवार, 8 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

उद्धव ठाकरे के बाद पवार व देशमुख को फोन पर मिली धमकी

संवाददाता/मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास को उड़ा देने की धमकी की पुलिस द्वारा जांच किए जाने के बीच महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के नागपुर कार्यालय में फोन कर उन्हें और राकांपा प्रमुख शरद पवार को धमकी दी गयी। प्रदेश के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। अपना नाम उजागर नहीं करने के अनुरोध के साथ उन्होंने सोमवार को यहां विधान भवन में संवाददाताओं से कहा कि पुलिस को सूचित कर दिया गया है और वे जांच कर रहे हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अभिनेता के दोस्त ने किया खुलासा

रिया ने सुशांत सिंह को दिए ड्रग्स के हैवी डोज

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स ऐंगल की जांच कर रहा है। एनसीबी ने हाल ही में रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक चक्रवर्ती, सुशांत के हाउस मैनेजर रहे सैमुअल मिरांडा और स्टाफ मेंबर रहे दीपेश सावंत को गिरफ्तार किया है। तीनों इस समय एनसीबी की रिमांड पर हैं। वहीं, एनसीबी ड्रग्स ऐंगल को लेकर रिया से भी पूछताछ कर रही है। इसी बीच सुशांत के दोस्त और केस के प्रमुख गवाह ने रिया के बारे में कई खुलासे किए और ड्रग्स की साजिश के बारे में बात की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी ने रिया से लगातार दूसरे दिन पूछताछ की, 8 घंटे सवाल किए और आज भी बुलाया, फॉरेंसिक टीम सुशांत को जहर देने के एंगल से जांच करेगी

आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन मामला

ईडी ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर के पति दीपक को किया गिरफ्तार

आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से वीडियोकॉन समूह को लोन देने में हुई गड़बड़ियों की जांच कर रहा है ईडी

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर के पति दीपक कोचर को आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन मामले में गिरफ्तार कर लिया है। आईसीआईसीआई बैंक की तरफ से वीडियोकॉन समूह को लोन देने में हुई गड़बड़ियों और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी चंदा कोचर और उनके पति के खिलाफ जांच कर रहा है। वीडियोकॉन समूह के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत समेत कई अन्य लोग भी जांच के दायरे में हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कूटनीति और समरनीति का साथ

हम मंथर गति से चकराता से रामबन की चढ़ाई चढ़ रहे थे। सड़क के नाम पर टूटी-फूटी पथरीली पहाड़ी डगर और चारों ओर अनंत सन्नाटा। अचानक लगा, कोई चीखा है। जब तक कुछ समझ पाते, तब तक दूसरी वैसी ही ध्वनि गूंजी। अनजानी भूमि पर ऐसी आवाजें! हम गाड़ी आगे बढ़ाते गए। अगला मोड़ पार किया ही था कि पहाड़ की चोटी पर बनाई गई एक गुफा में फौजी पोशाक में बहुत से जवान खडे दिखाई दिए। गुफा से नीचे सड़क तक एक रस्सी टंगी हुई थी। उनका 'उस्ताद' उन्हें रस्सी के सहारे ऊपर से नीचे आने की ट्रेनिंग दे रहा था। छलांग से पहले जवान जोर की ध्वनि निकालते थे। हम उसे चीख मान बैठे थे। हमने गाड़ी रोक दी। दृश्य रोमांच पैदा करने वाला था। आसपास सेना के किसी भी कैंप का बोर्ड नहीं लगा था। क्यों? कुछ देर में उनका भोजन-अवकाश हुआ। कौतूहलवश मैंने उनकी ओर बढ़कर पूछा कि आप लोग सेना के किस अंग से हैं? प्रशिक्षक ने जवाब दिया- 'स्पेशल फ्रंटियर फोर्स'। उन दिनों तक मीडिया का विस्फोट नहीं हुआ था, लिहाजा सहज भाव से वह बताता चला गया कि यह 'फौज' तिब्बती नौजवानों की है। इन्हें हम प्रशिक्षित करते हैं। मैं जिन्हें अब तक गोरखा समझ रहा था, वे मूलतः तिब्बती थे। बातचीत के दौरान मालूम पड़ा कि वे चीन से बुरी तरह खफा हैं और अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें मौका मिल गया है। अब तक यह बल अनजाना था। उन्हें रणनीति के तहत नेपथ्य में रखा गया था। सेना ने अभी तक अधिकृत तौर पर इसे स्वीकार नहीं किया है, मगर समूची दुनिया में चर्चा है कि इन लड़ाकों ने दक्षिण पैंगोंग की दुर्गम चोटियों पर कब्जा जमा लिया है। अब चीन की सेना वहां मनमानी नहीं कर सकती। सब जानते हैं, जंग में जो ऊंची चोटी पर काबिज होता है, उसे खुद-ब-खुद बढ़त मिल जाती है। इससे अब तक बातचीत की मेज पर आक्रामक रुख अपनाने वाले चीन के समक्ष मुश्किल खड़ी हो गई है। भारत अब अप्रैल-पूर्व की स्थिति बहाल कराने के लिए बेहतर मोल-भाव कर सकता है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने चीन सीमा पर आगे बढ़कर कार्रवाई की है। मोदी सरकार ने इससे पहले जब बालाकोट और सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया था, तभी तय हो गया था, सीमा पर हुई हरकत का जवाब उसी अंदाज में दिया जाएगा। हम अब तक पाक प्रायोजित आतंकवाद और चीन की घुसपैठ को कूटनीतिक स्तर पर सुलझाने की कोशिश करते आए हैं। इससे मामला लंबा खिंचता था। अब सैनिक कार्रवाई का जवाब सेना देगी और कूटनीतिज्ञ बातचीत के जरिए उसे मुकाम तक पहुंचाएंगे। शी जिनपिंग और उनकी लाल सेना इसे समझने में नाकाम रही। कोई आश्चर्य नहीं कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तीन महीने में दो बार मास्को का दौरा कर चुके हैं। वह वहां 'शंघाई सहयोग संगठन' की बैठक में हिस्सा लेने गए थे। चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंग भी वहां मौजूद थे। उनसे बातचीत का कार्यक्रम पहले से तय नहीं था, पर कहते हैं कि फेंग ने पहल की। रूस का भी इसरार था, लिहाजा दोनों रक्षा मंत्रियों में वार्ता हुई। सीमा पर अभूतपूर्व तनाव के बीच यह पहली उच्च स्तरीय वार्ता थी। क्या बात हुई? दोनों ओर से कैसे तर्क दिए गए? क्या इससे कोई हल निकलेगा? ये पंक्तियां लिखे जाने तक हमें इन सवालों के जवाब नहीं मिल सके हैं, पर हमें सतर्क रहना होगा। चीन अपने कौल पर कभी टिकता नहीं है।

फिल्म प्रमाणन को समकालीन बनाने की दरकार

भारतीय वायुसेना की महिला पॉयलट गुंजन सक्सेना पर बनी फिल्म पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने नहीं माना। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि फिल्म के रिलीज होने के पहले वो अदालत क्यों नहीं आए? अब तो फिल्म की स्ट्रीमिंग नेटफिल्क्स पर हो रही है, ऐसे में उसको बीच में रोकना ठीक नहीं होगा। कोर्ट ने इस केस को एक बेहद ही दिलचस्प मोड़ भी दे दिया है। उन्होंने इस केस में गुंजन सक्सेना को भी पार्टी बनाया और कहा कि कोर्ट उनसे सीधे जानना चाहेगी कि फिल्म पर जो आरोप लग रहे हैं वो सही हैं या गलत? दरअसल इस फिल्म पर आरोप है कि उसने वायुसेना के उस समय के माहौल को महिला विरोधी दिखाया है जिससे वायुसेना की छवि खराब हुई है।

वायुसेना का तर्क है कि किसी युद्ध के नायक या नायिकी पर बनाई गई फिल्म को बहुत अधिक काल्पनिक नहीं बनाया जा सकता है, उसका नाटकीय स्वरूप भी पेश करना उचित नहीं होगा। इस फिल्म के निमार्ता धर्मा प्रोडक्शंस के वकील हरीश साल्वे ने अदालत में कहा कि ये गुंजन सक्सेना की जिंदगी से प्रेरित है। मतलब कि पूरे तौर पर उनकी जिंदगी पर आधारित नहीं है। फिल्म के निर्माताओं पर ये भी आप है कि 2013 के रक्षा मंत्रालय के गाइडलाइंस के हिसाब से इस फिल्म को रिलीज करने के पहले रक्षा मंत्रालय की प्रीव्यू कमेटी को नहीं दिखाया गया। नेटफ्लिक्स ने दावा किया है कि फिल्म के रिलीज होने के पहले न केवल इसकी स्क्रिप्ट भारतीय वायुसेना को दी गई बल्कि इस वर्ष फरवरी में उनको फिल्म भी दिखाई गई थी। ये तो कानूनी दांवपेंच है जिसका निस्तारण अदालत से होगा। लेकिन इन कानूनी दावपेंच से कई प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। फिल्म गुंजन सक्सेना, द कारगिल गर्ल को नेटफिल्क्स पर दिखाया जा रहा है। इस फिल्म का प्रदर्शन ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म पर बदली हुई परिस्थितियों में किया गया। कोरोना की वजह से सिनेमा हॉल के बंद होने की वजह से इसका प्रदर्शन ओटीटी पर हुआ अन्यथा ये सिनेमा हॉल में प्रदर्शित होती। सिनेमा हॉल में प्रदर्शन के लिए इस फिल्म ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाण पत्र भी हासिल कर लिया था। चूंकि ओटीटी पर फिल्मों के प्रसारण के लिए किसी भी तरह के प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है इस वजह से जब नेटफ्लिक्स पर बगैर प्रमाणपत्र दिखाए इसका प्रसारण हुआ। अगर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने इस फिल्म को देखकर प्रमाणित किया तो फिर इसको लेकर आपत्ति कैसी? और अगर आपत्ति है तो सवाल उठता है कि क्या केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से इस फिल्म को प्रमाणित करने में चूक हुई? इस फिल्म को प्रमाणित करने के पहले रक्षा मंत्रालय 2013 के गाइडलाइंस का ध्यान रखा गया या नहीं। सवाल तो ये भी उठता है कि रक्षा मंत्रालय के जो दिशा निर्देश हैं वो केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड पर लागू होते हैं या नहीं? क्या केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड उन गाइडलाइंस को मानने के लिए बाध्य है, क्योंकि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड हमारे देश में फिल्म प्रमाणन की वैधानिक संस्था है और ये सिनेमेटोग्राफ एक्ट से संचालित होती है।

संसद से पारित सिनेमेटोग्राफी एक्ट, 1952 के तहत सेंसर बोर्ड का गठन किया था। 1983 में इसका नाम बदलकर केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड कर दिया गया। उसके बाद भी इस एक्ट के तहत समय समय पर सरकार गाइडलाइंस जारी करती रही है। फिल्म प्रमाणन के संबंध में सरकार ने आखिरी गाइडलाइंस 6 दिसबंर 1991 को जारी की थी जिसके आधार पर ही अबतक काम चल रहा है। इक्यानवे के बाद से हमारा समाज काफी बदल गया। आर्थिक सुधारों की बयार और हाल के दिनों में इंटरनेट के फैलाव ने हमारे समाज में भी बहुत खुलापन ला दिया है। ओटीटी की बढ़ती लोकप्रियता ने फिल्मों के प्रदर्शन की पद्धति को ही बदल दिया है। बदले माहौल में जब हम करीब तीन दशक पुरानी गाइडलाइंस के आधार पर सर्टिफिकेट देंगे तो दिक्कतें तो पेश आएंगी। सिनेमेटोग्राफी एक्ट की धारा 5 बी (1) के मुताबिक किसी फिल्म को रिलीज करने का प्रमाण पत्र तभी दिया जा सकता है जब कि उससे भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता पर कोई आंच ना आए। मित्र राष्ट्रों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी ना हो। इसके अलावा तीन और शब्द हैं - सार्वजनिक शांति, शालीनता और नैतिकता का पालन होना चाहिए। अब इसमें सार्वजनिक शांति या कानून व्यवस्था तक तो ठीक है लेकिन शालीनता और नैतिकता की व्याख्या अलग अलग तरीके से की जाती रही है। हम अगर इस तरफ न भी जाएं तो इस बात को लेकर विचार तो अवश्य होना चाहिए कि संसद के पारित किसी कानून को किसी मंत्रालय के गाइडलाइंस से संशोधित किया जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय 2013 के दिशा निदेर्शों के मुताबिक अगर कोई फिल्म सेना पर बनाई जाती है तो उस प्रस्ताव को रक्षा मंत्रालय को भेजा जाना चाहिए। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद सेना की प्रीव्यू कमेटी को दिखाया जाना चाहिए। इस समिति में रक्षा मंत्रालय और सेना के अधिकारी होते हैं। प्रीव्यू कमेटी से अनुमति मिलने के बाद फिल्म को रिलीज करने के पहले इसको रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (सेना) की अनुमति भी चाहिए। फिल्म बनाने के पहले फिल्म निर्माताओं को ये जानकारी भी देनी होती है कि वो कब तक फिल्म की शूटिंग खत्म कर लेंगे और कब इसको रिलीज करेंगे। इसके अलावा फिल्म की संकल्पना, फिल्म बनाने का उद्देश्य और फिल्म की स्क्रिप्ट भी सेना को देने की अपेक्षा की गई है। इसके अलावा भी फिल्मकारों से ये अपेक्षा की गई है कि वो फिल्म रिलीज कॉपी भी भारतीय सेना का उपलब्ध करवाएंगें। फिल्म निर्माताओं को सेना से संबंधित फिल्म बनाने और सेना के क्षेत्र में शूटिंग करने के लिए बहुत विस्तार से फॉर्म आदि भी भरने के अलावा अन्य औपचारिकताओं का भी प्रावधान है।

अरुण जेटली जब सूचना और प्रसारण मंत्री थी तो उन्होंने श्याम बेनेगल की अध्यक्षता में फिल्म प्रमाणन में सुधारों के लिए कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। बेनेगल कमेटी ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सेंसर बोर्ड के कामकाज के अलावा फिल्मों को दिए जानेवाले सर्टिफिकेट की प्रक्रिया में बदलाव की सिफारिश की थी। बेनेगल कमेटी ने सुझाव दिया था कि प्रमाणन बोर्ड सिर्फ फिल्मों के वर्गीकरण का काम करे। फिल्म को देखे और उसको किस तरह के यू, ए या फिर यूए सर्टिफिकेट दिया जाना चाहिए, इसका फैसला करे। बेनेगल कमेटी ने ये सिफारिश भी की थी कि फिल्मकार स्वयं बताए कि उनको अपनी फिल्म के लिए किस श्रेणी का प्रमाण पत्र चाहिए। लेकिन इस कमेटी की सिफारिशें लागू नहीं हो सकीं। अब ओटीटी के बाद तो स्थितियां काफी बदल गई हैं और नए सिरे सिनेमैटोग्राफिक एक्ट में बदलाव की आवश्यकता महसूस हो रही है। इसमें सेना और उससे जुड़ी घटनाओं के चित्रण से लेकर अन्य सभी बिंदुओं पर विचार कर उसको एक्ट में शामिल करना चाहिए। ओटीटी पर दिखाए जानेवाले कटेंट को भी इसके दायरे में लाने पर विचार किया जा सकता है। अगर ओटीटी पर दिखाई जानेवाली सामग्री के प्रमाणन की जिम्मेदारी भी केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को दी जाती है तो इसके लिए बोर्ड को अपने संसाधन बढ़ाने होंगे ताकि फिल्म और वेब सीरीज निर्माताओं को मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़े।

कोरोना महामारी से डरने से ज्यादा लड़ने की जरूरत

कोरोना महामारी के बाद देश संपूर्ण लॉकडाउन से अनलॉक-4 में प्रवेश कर चुका है। जहां एक ओर देश कोरोना महामारी जनित संक्रमण की चुनौतियों से गुजर रहा है, वहीं दूसरी तरफ अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाना भी मुख्य ध्येय है। ऐसे में यह पक्ष महत्वपूर्ण है कि क्या देश वाकई कोरोना के उस दौर में प्रवेश कर चुका है, जब अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यक रियायतें दी जा सकती हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार कोरोना के बढ़ते मामलों के प्रति सजगता नहीं दिखा रही है। इस पक्ष को समझने के लिए हमें हाल में किए गए सीरोलॉजिकल सर्वेक्षणों पर ध्यान देने की जरूरत है। पिछले दो महीनों के दौरान बंगलुरु, मुंबई, पुणो और अहमदाबाद सहित देश के विभिन्न शहरों में सीरो सर्वे किए गए हैं। दिल्ली के दूसरे सीरो सर्वे में कुल आबादी के 29 फीसद लोगों में कोविड का प्रतिरोध करने वाली एंटीबॉडीज पाई गई है, जबकि अहमदाबाद व पुणो में यह आंकड़ा क्रमशः 40 और 50 फीसद तक रहा है। इस बीच कई कारणों से सीरोलॉजिकल सर्वेक्षण रिपोर्ट को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति कायम है। वास्तव में इसके निहितार्थ क्या हैं? दरअसल कोरोना वायरस पर काफी शोध किया जा रहा है, ऐसे में सीरो सवे किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने में काफी मददगार है। विज्ञानियों ने चेतावनी दी है कि सीरो सर्वे जनित परिणामों के आधार पर आबादी के इस प्रतिशत को बीमारी के प्रति प्रतिरक्षित हो सकने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तविकता तो यह है कि सीरोलॉजिकल सर्वेक्षणों को मानव में निष्प्रभावी या प्रतिरक्षक एंटीबॉडी का पता लगाने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है, लेकिन यहां यह समझने की जरूरत है कि सीरोलॉजिकल सर्वेक्षणों से कोरोना के बिना लक्षण वाले मरीज की पहचान संभव हुई है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
8 सितंबर, 2020

मुंबई में दर्दनाक हादसा

लिफ्ट आने से पहले ही खुला उसका दरवाजा, गलती से अंदर घुसे बिजनेसमैन की कुचलकर मौत

मुंबई। देश की नामचीन कोहिनूर इलेक्ट्रॉनिक्स के डायरेक्टर और बिजनेसमैन विशाल मेवानी की दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। मेवानी की लिफ्ट में दबने से मौत हो गई। जांच में सामने आया है कि लिफ्ट के आने से पहले ही वह उसमें गलती से घुस गए थे और ऊपर से लिफ्ट आ गई। जब यह दुर्घटना हुई तब वह अपने दोस्त के घर गए थे और उनकी बेटी भी उनके साथ थी। 46 वर्षीय मेवानी के दोस्त ने पुलिस को बताया कि वे अपनी बेटी रेशमा के साथ मुंबई के वर्ली इलाके में उनके घर आए थे। मेवानी के दोस्त का घर ब्यूना विस्टा नाम की टू स्टोरी बिल्डिंग में है। दोस्त ने पुलिस को बताया कि मेवानी के दांतों में कुछ

समस्या थी। इसलिए वह अपने दोस्त के यहां आए थे कि वह कोई अच्छा दांतों का डॉक्टर उन्हें सजेस्ट कर सकें। जब वह बिल्डिंग में आ रहे थे उसी दौरान यह हादसा हुआ। इस हादसे में उनकी बेटी बाल-बाल बच गईं। मेवानी के दोस्त ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम को बिल्डिंग में ऊपर जाने के लिए मेवानी ने 2 नंबर का बटन दबाया। लेकिन लिफ्ट आने से पहले ही उसका दरवाजा खुल गया और वह बाते करते हुए उसमें प्रवेश पर गए। इससे पहले कि वे बाहर निकल पाते ऊपर से लिफ्ट आ गई और वे कुचल गए। हादसे में वह बुरी तरह से घायल हो गए। इसके तुरंत बाद फायर ब्रिगेड टीम को बुलाया गया और विशाल को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मरने से 30 मिनट पहले की थी पत्नी से बात

वर्ली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक सुखलाल वर्पे ने कहा कि उन्होंने घटना से 30 मिनट पहले अपनी पत्नी से बात की और उसे बताया कि वह अपने दोस्त से मिलने जा रहे हैं। प्राथमिक जानकारी के आधार पर पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।

केंद्र ने रोकी मास्क, पीपीई किट और वेंटिलेटर की सप्लाई: राजेश टोपे

मुंबई। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि राज्य सरकार को केंद्र सरकार से एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि अब केंद्र सरकार मास्क, वेंटिलेटर, पीपीई किट प्रदान नहीं करेगी। केंद्र के इस पत्र पर टोपे ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र का इस तरह असहयोग उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने शनिवार को इस बारे में पुणे में केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर से बात की है। राज्य सरकार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और प्रधानमंत्री को भी इस बारे में पत्र लिखेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपने जंबो अस्पताल में ऑक्सीजन बेड बढ़ा दिए हैं और आईसीयू बेड बढ़ाए जा रहे हैं, ताकि इलाज में दिक्कत न हो। सोमवार को छह और जिलों में

टेली-आईसीयू शुरू किए गए हैं। ताकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों के इलाज में तत्काल विशेषज्ञ डॉक्टरों का मार्गदर्शन मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि लॉकडाउन शिथिल करने, जिलाबंदी खत्म करने, ई-पास बंद करने, कार्यालयों में उपस्थिति बढ़ाने की अनुमति देने के कारण संक्रमण बढ़ रहा है। इतनी जनजागृति के बावजूद लोग सुरक्षा उपायों की अनदेखी कर रहे हैं। मास्क नहीं पहनने पर जुमार्ने का प्रावधान है, फिर भी 25 से 30 प्रतिशत लोग मास्क नहीं पहनते। अकेले पुणे में मास्क नहीं पहनने के लिए अब तक 1 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ती है, अस्पतालों पर तनाव बढ़ता है और बिस्तर नहीं मिलता है। ऐसे सकारात्मक रोगी जिनके कोई लक्षण नहीं हैं, उन्हें घर पर रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 80 फीसदी लोगों में लक्षण नहीं होते हैं, इसलिए घर पर ही उनकी देखभाल की जानी चाहिए।

महाराष्ट्र विधानसभा ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी। ठाकरे ने मुखर्जी को संवेदनशील इंसान बताते हुए कहा कि वह दूसरे व्यक्ति के साथ सम्मानपूर्ण तरीके से व्यवहार करते थे। मुखर्जी का निधन 84 साल की उम्र में 31 अगस्त को नई दिल्ली में सेना के एक अस्पताल में हो गया। विधानसभा में श्रद्धांजलि प्रस्ताव के दौरान ठाकरे ने कहा कि वह मुखर्जी से पहली बार अपने घर 'मातोश्री' में मिले थे। राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव अभियान के दौरान उस समय उनके साथ राकांपा प्रमुख शरद पवार भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें बेहद संवेदनशील व्यक्ति पाया जो दूसरों के साथ सम्मानपूर्ण तरीके से व्यवहार करते थे। यह एक दुर्लभ गुण है। मुख्यमंत्री ने स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्रपति के तौर पर कुछ साल पहले मुखर्जी मुंबई आए थे। तब उन्हें फोन आया था कि गणमान्य अतिथि उनसे मिलना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आदित्य (ठाकरे के बेटे) के साथ राज भवन गया और मुखर्जी ने मुझसे कहा कि उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि वह राष्ट्रपति बनेंगे। लेकिन शिवसेना ने मेरी उम्मीदवारी को खुला समर्थन दिया और जीत का रास्ता आसान बना दिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

ठाकरे के बाद पवार व देशमुख को फोन पर मिली धमकी

मुंबई पुलिस ने फोन पर धमकी मिलने के बाद ठाकरे के आवास मातोश्री के बाहर रविवार को सुरक्षा बढ़ा दी थी। फोन करने वाले ने अपने को भगोड़े माफिया सरगना दाऊद इब्राहिम का सहयोगी बताया था। इस बीच महाराष्ट्र राकांपा के अध्यक्ष और जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री और शरद पवार को धमकी मिलना एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा, असामाजिक तत्व एक बार फिर सिर उठाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य का गृह विभाग इस मामले की जांच करेगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने मामले में उचित जांच की मांग की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि धमकी भरे इन कॉल की उचित जांच होनी चाहिए।

अभिनेता के दोस्त ने किया खुलासा

सुशांत सिंह राजपूत के दोस्त ने बताया कि रिया चक्रवर्ती के इनर सर्कल ने सुशांत को भारी ड्रग्स दिया और उन्हें हैवी डोज लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। दोस्त ने कथित तौर पर यह भी कहा कि रिया ने सुशांत की लाइफ (फाइनेंस और करियर) को पूरी तरह से कंट्रोल किया हुआ था। बताते चलें कि रविवार की पूछताछ में रिया चक्रवर्ती ने कबूल किया कि उन्होंने ड्रग्स की खरीद की और घर में जो भी ड्रग्स आया वह केवल सुशांत सिंह राजपूत के लिए था। उन्होंने कभी भी ड्रग्स का सेवन नहीं किया। उधर, रिया के वकील सतीश मानेशिंदे का भी बयान सामने आया था कि रिया गिरफ्तारी देने के लिए तैयार हैं और किसी भी ब्लड टेस्ट से यह साबित हो जाएगा कि उन्होंने कभी कोई ड्रग नहीं लिया। रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे के मुताबिक, ऐक्ट्रेस ने सुशांत की बहन प्रियंका सिंह के खलिाफ शकियात दर्ज करवाई है। आरोप है कि प्रियंका सिंह ने डॉक्टर की फर्जी पर्ची बनवाई और अवैध दवा की खरीदारी के लिए पर्ची सुशांत को दी।

आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन मामला

शीर्ष ईडी अधिकारी के हवाले से बताया कि दीपक कोचर को दिनभर चली पूछताछ के बाद मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्हें वित्तीय जांच एजेंसी की मुंबई ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। चंदा कोचर के सीईओ रहते आईसीआईसीआई बैंक ने वीडियोकॉन ग्रुप को 3,250 करोड़ रुपए का लोन देने में कथित तौर पर खामियां पाई गई थीं। चंदा कोचर पर भेदभाव और वीडियोकॉन ग्रुप को फायदा पहुंचाने के आरोप हैं। ईडी ने फरवरी, 2019 में इस मामले में क्रिमिनल केस दर्ज किया था। इसके तहत ही जब्ती की कार्रवाई की गई। ईडी ने इस साल जनवरी में चंदा कोचर की 78 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की थीं। इनमें चंदा का एक मुंबई स्थित घर और उनसे जुड़ी कंपनी की संपत्तियां शामिल था। ईडी के अधिकारियों ने बताया था कि कोचर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई के लिए वॉरंट जारी किया गया था। वीडियोकॉन ग्रुप की पांच कंपनियों को आईसीआईसीआई बैंक ने अप्रैल 2012 में 3,250 करोड़ रुपए का लोन दिया था। ग्रुप ने इस लोन में से 86% यानी 2810 करोड़ रुपए नहीं चुकाए। इसके बाद लोन को 2017 में एनपीए घोषित कर दिया गया। लोन स्वीकृत करने वाली कमेटी में चंदा कोचर शामिल थीं। यह आरोप भी है कि वीडियोकॉन ग्रुप के एमडी वेणुगोपाल धूत ने दीपक कोचर की कंपनी न्यूपावर रिन्यूएबल्स में पैसा लगाया था।

हवाई किराया आसमान पर

अनलॉक शुरू होने से शहरों की ओर काम पर लौटने लगे हैं लोग

कई रूट पर किराया में दोगुना की बढ़त, वाराणसी मुंबई रूट पर एअर इंडिया में टिकट ही नहीं

संवाददाता

नई दिल्ली। अनलॉक शुरू होने और आर्थिक गतिविधियां खुलने से लोग शहरों की ओर लौटने लगे हैं। इस वजह से हवाई किराया आसमान पर पहुंच गया है। कई रूट पर किराया दोगुना बढ़ गया है। कई रूट पर सीट ही उपलब्ध नहीं है। वाराणसी -मुंबई रूट पर तो 11 सितंबर की एअर इंडिया के विमान में कोई सीट ही नहीं है। पूरी फ्लाइट फूल है। ऐसा इसलिए क्योंकि ट्रेनों में 15 अक्टूबर तक सीटें नहीं हैं। इसलिए लोग फ्लाइट की ओर रूख कर रहे हैं। इससे अचानक फ्लाइट की डिमांड बढ़ गई है। दिल्ली से पटना जाने पर अगर एक यात्री का हवाई टिकट 3500 से चार हजार रुपए पड़ रहा है, तो उसी रूट पर वापसी के समय यात्री को 7 से 8 हजार रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। जब हमने विभिन्न एयरलांइस के वेबसाइट्स पर जाकर एयर फेयर चेक किया तब पाया कि ज्यादातर नॉन मेट्रो सिटी से मेट्रो सिटी की ओर जाने वाली फ्लाइट का रेट ज्यादा है जबकि उसी रूट पर नॉन मेट्रो सिटी के लिए किराया कम है।

क्या वजह हो सकती है?

इसकी वजह यह हो सकती है कि लोग अब शहर की ओर काम पर वापसी कर रहे हैं। दूसरी तरह ट्रेनें भी लिमिट में चलाई जा रही है। ऐसे में ज्यादातर लोगों के पास विकल्प कम है। छोटे शहरों से मेट्रो सिटी की ओर जाने वाली फ्लाइट्स को लेकर डिमांड बढ़ी है। साथ ही सुरक्षित यात्रा करना लोग पसंद कर रहे हैं।

सरकार द्वारा तय किए गए रेट

सरकार ने घरेलू उड़ानों को चलाने के लिए अधिकतम और न्यूनतम किराए की सीमा तय की है, जिसका सभी एयरलाइंस को पालन करने को कहा गया है। बता दें कि यह रेट फ्लाइट की अवधि के अनुसार सात अलग-अलग कैटेगरी में बांटे गए हैं। ये कैटेगरी हैं- 0-30 मिनट, 30-60 मिनट, 60-90 मिनट, 90-120 मिनट, 120-150 मिनट, 150-180 और 180-210 मिनट। उदाहरण के लिए दिल्ली और मुंबई के बीच 90 से 120 मिनट की उड़ान का कम से कम किराया 3500 रुपए होगा और अधिकतम किराया 10,000 रुपए होगा। सरकार का यह नियम नवंबर तक जारी रहेगा।

एयरपोर्ट पर 6 सितंबर का डोमेस्टिक ट्रैफिक का ये रहा हाल

- डीजीसीए के मुताबिक, धीरे-धीरे डोमेस्टिक एयरलाइंस का संचालन अधिक बढ़ रहा है। 6 सितंबर को देश भर में करीब 1.41 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की है।
- 6 सितंबर को देश भर के हवाई अड्डों पर 2.85 लाख से अधिक फुट फॉल दर्ज किए गए हैं।
- 6 सितंबर को देश भर में अराइवल फ्लाइट्स की संख्या 1238 रहीं।
- वहीं, डिपार्चर फ्लाइट्स की संख्या 1,233 रही।
- इस समय करीब 125 एयरपोर्ट ऑपरेट्स किए जा रहे हैं।

सुरक्षित यात्रा को दे रहे हैं तव्वजो

डीजीसीए की मानें तो इस समय ज्यादातर लोग सुरक्षित यात्रा को तव्वजो दे रहे हैं इसके लिए वे फ्लाइट से यात्रा करना पसंद कर रहे हैं। साथ ही सरकार द्वारा तय की गई कीमत के चलते उन्हें सस्ते रेट पर टिकट मिल रहा है। हालांकि जिन रूट्स पर डिमांड ज्यादा है वहां कुछ एयरलाइंस के फेयर में थोड़ा बहुत फर्क है लेकिन वह सरकारी आदेशानुसार के अंतर्गत ही है। डीजीसीए के मुताबिक, हवाई अड्डों पर लगातार गतिविधियां बढ़ रही है। आगे और बढ़ने की संभावना है। बता दें कि 25 मार्च से देशव्यापी लॉकडाउन के चलते दो माह बाद 25 मई से फिर से घरेलू उडान सेवा शुरू की गई। 25 मई को करीब 30 हजार यात्रियों के साथ उडान सेवा की शुरूआत की गई थी। इस समय 1233 उड़ान भर रही है और लगभग 1,41,992 यात्री सफर कर रहे हैं।

कोरोना काल में विधानसभा सत्र

2 विधायक और 37 कर्मचारियों को हुआ कोरोना

हंगामे के साथ पास हुआ ग्राम पंचायत सुधार विधेयक

मुंबई। कोरोना के 9 लाख से ज्यादा मामलों के बीच सोमवार से महाराष्ट्र विधानसभा का दो दिवसीय मानसून सत्र शुरू हो गया है। महामारी के कारण सत्र को सिर्फ दो दिन का रखा गया है। सोमवार को इसमें शामिल होने वाले दो विधायकों और 37 कर्मचारियों में कोरोना पॉजिटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग की और से सत्र में इसमें शामिल होने वाले सभी लोगों का रविवार को स्वाब टेस्ट करवाया गया है। जिनका परिणाम सोमवार को आया है। दो दिवसीय अधिवेशन में सरकार 14 विधेयक मंजूर कराएगी जबकि 9 अध्यादेश तथा 1 प्रस्तावित अध्यादेश को सदन के पटल पर रखा जाएगा। अधिवेशन के पहले दिन साल 2020-21 की पूरक मांगों का प्रस्ताव

रखा जाएगा। शनिवार से सत्र में शामिल विधायकों और सरकारी अधिकारियों सहित लगभग 2,200 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया है, कुछ की रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। सोमवार को सभी विधायक चेहरे पर मास्क और ग्लव्स पहनकर अधिवेशन सत्र में शामिल हुए। इससे पहले हर अधिवेशन की पूर्व संध्या पर होने वाली परंपरागत चाय पार्टी इस बार कोरोना के मद्देनजर रद्द कर दी गई। कोरोना संक्रमण को रोकने में नाकाम रहने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साध सकती है। सरकार की ओर से भी विपक्ष को जवाब देने की तैयारी की गई है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि सरकार कोरोना नियंत्रण में पूरी तरह असफल साबित हुई है। दो दिन के अधिवेशन में हम इसका पदार्फाश करेंगे। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री अनिल परब ने बताया कि विधान परिषद में सभापति पद के चुनाव का फैसला सदन के सभपति रामराजे नाईक-निंबालकर करेंगे।

विदर्भ में बाढ़ भी रहेगा बड़ा मुद्दा: राज्य विधानमंडल का मानसून अधिवेशन में विदर्भ में बारिश और बाढ़ के कारण फसलों की बबार्दी का मुद्दा भी गूंजेगा। बारिश और बाढ़ के कारण नागपुर सहित विदर्भ के वर्धा, चंद्रपुर, गोंदिया, भंडारा, यवतमाल, गडचिरोली, अमरावती जिले में भारी तबाही देखने को मिली है। नागपुर संभाग के लिए सरकार ने 16.48 करोड़ रुपए की निधि को मंजूरी दी है, जबकि इससे तीन गुना नुकसान का अनुमान है। किसानों को आस है कि उनके क्षेत्र के संबंधित विधायक अधिवेशन में लें और राहत पैकेज के लिए सरकार पर दबाव बनाएंगे।

मुंबई में फिर कांपी धरती: तीन दिन में दूसरी बार महसूस किए गए भूकंप के झटके

मुंबई। मुंबई में सोमवार को फिर एक बार भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, सुबह 8 बजे भूकंप का झटका महसूस किया गया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 रही। हालांकि, जान माल के नुकसान की खबर नहीं है। मुंबई में धरती कांपने के बाद कई लोग घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र मुंबई से 102 किलोमीटर उत्तर में था। इससे पहले शुक्रवार देर रात मुंबई और नासिक में भूकंप के तीन झटके महसूस किए गए थे। मुंबई में शुक्रवार को आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई थी। इसमें भी किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ था। रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रविवार की सुबह-सुबह 6.38 बजे भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक इसकी गहराई 82 किलोमीटर थी। पिछले कई महीनों से महाराष्ट्र के पालघर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए जा रहे हैं, जिसकी तीव्रता 2 से 3.5 के बीच मापी गई है। हालांकि, उस भूकंप में भी किसी के हताहत होने या कोई नुकसान की खबर नहीं थी।

भारतीय उपमहाद्वीप में कई जगहों पर खतरा

भारत को भूकंप के क्षेत्र के आधार पर जोन-2, जोन-3, जोन-4 और जोन-5 में बांटा गया है। जोन-2 सबसे कम खतरे वाला और जोन-5 सबसे ज्यादा खतरे वाला जोन माना जाता है। जोन-5 में कश्मीर, पश्चिमी और मध्य हिमालय, उत्तर और मध्य बिहार, उत्तर-पूर्व भारतीय क्षेत्र, कच्छ का रण और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह आते हैं। मध्य भारत कम खतरे वाले जोन-3 में आता है। जबकि, दक्षिण के ज्यादातर हिस्से सीमित खतरे वाले जोन-2 में आते हैं।

अशर अनिस खान का नया गाना ठंडा बुखार हुआ रिलीज

टिप्स म्यूज़िक वॉल्यूम ने किया लांच

संगीतकार एवं निर्माता अशर अनिस खान का नयागानाठंडाबुखार आजटिप्सवॉल्यूमद्वारारिलीज किया गया, अशर का ये तीसरा ईडिपेंडेंट प्रोजेक्ट है, इस गाने में अशर ने संगीत के साथ अपनी आवाज भी दी,एवं इसे लिखा भी। ललिता मिश्रा ने इस गाने में बतौर निर्माता अपना योगदान दिया, ललिता का यह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में पहला कदम है। मराठी फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री निशानी बोरुले ने इस गाने से हिंदी फिल्म एवं म्यूज़िक इंडस्ट्री में कदम रखा, जहा हर कोई इनके काम की सरहना कर रहा है। अशर का ये तीसरा म्यूज़िक एल्बम है। बतौर संगीतकार इनके गाने कई जाने माने म्यूज़िक लेबल से आ चुके है। जी म्यूज़िक, टिप्स एवं वॉल्यूम जैसी बड़ी कंपनियों में अपने गानों से सबका दिल लुभाने के बाद, अशर इस वक़्त अपनी पहली हिंदी फिल्म पर बतौर संगीतकार काम कर रहे है, इसके अलावा उनके तीन और म्यूज़िक एल्बम इस साल आने वाले है। ठंडा बुखार एक बोहोत ही खूबसूरत गाना है, आज की नई पीढ़ी के साथ साथ हर वर्ष के लोगो को आकर्षित कर रहा है। कोरोना संक्रमण एवं भारी बारिश और घने कोहरे के बीच इस गाने को शूट करके, एक बेहतरीन कंटेंट इन सभी कलाकारों ने दिया है। ठंडा बुखार, टिप्स के वॉल्यूम चैनल पर उपलब्ध है, साथ ही ये सारी ऑडियो साइट्स पर भी मौजूद है। अशर अनिस खान ने दीपांशु सैनी फिल्म्स, अश्विन तिवारी जी, दर्शाना सैनी जी, एवं अपने माता पिता का धन्यवाद किया है।

वेटिंग टिकट से निजात दिलाएगी रेलवे की 'क्लोन' योजना

मुंबई। रेलवे हमेशा यात्रियों की परेशानी किसी नए शब्द से दूर करती है। इस बार का शब्द है 'क्लोन' जिसका रिश्ता एक ही नंबर से दो ट्रेन चलाने से है। शनिवार को रेलवे बोर्ड द्वारा 40 जोड़ी ट्रेनों की घोषणा करने के बाद प्रवासी मजदूरों को मुंबई लाने की परेशानी पर सवाल उठा था। फिलहाल यूपी और बिहार से आने वाली कुल तीन-तीन ट्रेनों में एक से डेढ़ महीने की वेटिंग लिस्ट चल रही है। अब रेलवे बोर्ड की ओर से कहा गया है कि डिमांड वाले रूट पर क्लोन ट्रेनें चलाई जाएंगी।

कैसे चलेगी क्लोन ट्रेन

मौजूदा ट्रेन, जिसकी वेटिंग लिस्ट बहुत ज्यादा है, उसके लिए एक और ट्रेन की व्यवस्था की जाएगी। इस ट्रेन का नंबर भी वही होगा और वह मुख्य ट्रेन के प्रस्थान के एक घंटे बाद चलेगी। क्लोन ट्रेनें भी उसी रूट पर और उसी प्लैटफॉर्म से जाएंगी, जो वेटिंग लिस्ट वाले पैसेंजर्स को लेकर जाएंगी। इससे वेटिंग टिकट वाले यात्री करीब-करीब उसी समय पर बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य स्थान तक पहुंच जाएंगे।

पुरानी है ये योजना

भारतीय रेलवे ने क्लोन ट्रेन की योजना पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु के समय बनाई थी। इसका लंबी वेटिंग लिस्ट वाली ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट क्लोन ट्रेन चलाकर त्म करना था। लेकिन बाद में ये योजना ठंडी पड़ गई, इसकी जगह यात्रियों को विकल्प योजना दी गई। विकल्प का मतलब है टिकट बुकिंग के दौरान यदि ज्यादा वेटिंग लिस्ट दिखती है, तो यात्रियों को विकल्प दिखाए जाएंगे।

इसमें यात्री विकल्प चुनकर यात्रा के दिन को बदलकर किसी दूसरे रूट की ट्रेन लेकर भी यात्रा कर सकता है। इस योजना को भी ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिला, क्योंकि पीक सीजन में विकल्प योजना भी फेल हो जाती है।

मुंबई दिल्ली रूट पर शुरूआत।

रेलवे बोर्ड के दावों के अनुसारख, दिल्ली से मुंबई रूट पर इस योजना को शुरू किया जाएगा। रेलवे ने इस रूट पर जीरो वेटिंग लिस्ट कर लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि राजधानी एक्सप्रेस में अमूमन काफी भीड़ रहती है। बड़ी संख्या में लोगों का टिकट कन्फर्म नहीं हो पाता है। ऐसे में वेटिंग लिस्ट के यात्रियों को क्लोन ट्रेन में कन्फर्म बर्थ मिलेगी। क्लोन ट्रेन की इस योजना से तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने साल 2020 तक सभी यात्रियों को कन्फर्म टिकट देने की जो योजना बनाई थी, वह क्लोन ट्रेन के रूप में अब अमल में लाई जा रही है।

निजी ट्रेनों का मिलेगा साथ

रेलवे जल्द ही निजी ट्रेनें चलाने की भी शुरूआत कर रही है। इन ट्रेनों में फ्लाइट की तरह डिमांड के आधार पर टिकट की दरें बढ़ती हैं। जैसे मुंबई-अहमदाबाद रूट पर चलने वाली तेजस एक्सप्रेस में एक ही टिकट 1800 से 5000 रुपये तक मिलता है। इस स्थिति में कहा जा सकता है कि जरूरतमंद व्यक्ति महंगी ही सही, लेकिन टिकट खरीदकर सीट बुक करा सकता है। हालांकि, क्लोन ट्रेनें सामान्य ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट बढ़ने पर चलेंगी, लेकिन ऐसे यात्रियों को निजी ट्रेनों का विकल्प भी दिया जाएगा।

रामपुर हलचल

नगर व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की किल्लत व कटौती को लेकर मचा हाहाकार, उच्च अधिकारी मौन

संवाददाता/नदीम अख्तर

टांडा रामपुर। नगर व आस पास के क्षेत्र में अंधाधुंध बिजली कटोती लेकर क्रषक नगर व क्षेत्र वासी काफी चिन्तित एवं परेशान स्थिति में है। भीषण गर्मी से जहा लोग काफी परेशान एवं चिन्तित होते नजर आ रहे है वही उधोग धन्धे भी चौपट होकर रह गये है। ग्रामीण क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर देखा जाये जहां ट्रासफार्मर फुक कर रह जाते है वहां पर कई-कई हफ्ते ग्रामीण वासियों को अंधकार में ही अपनी शर्ते गुजारनी पड़ती है बिना उनकी जेब खर्ची के चलते ट्रासफार्मर को बिजली विभाग के कर्मचारी जरा सुध नहीं ले पाते है जबकि बिजली विभाग के कर्मचारी ग्रामीण वासियों से अपना माहवार एवं फसल आने पर उनसे अनाज की उगाही भी करते है बिजली के रख रखाव को लेकर देखा जाय तब बिजली के तारों आदि की स्थिति खराब दशा में देखने को मिलेगी आधिकतर ग्रामीण एवं किसान वर्ग के लोगो को बिजली की समस्या को देखते हुए उनको काफी कठिनाइया झेले जाने पर मजबूर होना पड़ता

है जगह-जगह खम्भों एवं तारो की हालत काफी जर्जर बनी हुई है। फाल्ट आदि के होने के चलते समय से उसको ठीक भी नहीं किया जा सकता है। बिजली विभाग के उच्च आधिकारी गण समय रहते जगह-जगह घूमकर अपना सर्वे करे तब कही जाकर पता चलेगा कि ग्रामीण एवं क्रषक बिजली की अनेको प्रकार की समस्याओ को लेकर कितने परेशान होते नजर आते है अपने ऐयर कंडीश्नर दफ्तरों में बैठकर ही बिजली की अनेको प्रकार की समस्याओ को देखते हुए कागजो में ही बिजली की गुणवत्ता को देखते हुए समस्याओं से छुटकारा दिला दिया जाता है बिजली समस्या को लेकर जनता काफी परेशान होकर रह जाती है। तब कही जाकर अपने आश्वासनों के साथ किसी हद तक बिजली की समस्या को हल कर सप्लाई चालू की जाती है बिजली की अनेको प्रकार की समस्या को देखते हुए बड़े स्तर धरने प्रदर्शन अदि भी किये जाते है लेकिन उसके बाबूजुद भी स्थिति गम्भीर बनी नजर आती है। 24 घंटो में नगर व आसपास के क्षेत्र को बिजली बहुत कम समय में उपलब्ध हो पाती है जबकि देखा जाय तब ऐसी दशा में सरकार के आदेशो की खुली धज्जियां उड़ाई जा रही है बिजली विभाग के उच्च आधिकारी अपनी आखें बन्द कर मोन बने बैठे है।

बुलढाणा हलचल

शराबबंदी के लिए सखी ग्राम संघ ने पुलिस स्टेशन पर किया आंदोलन

संवाददाता

बुलढाणा। शराबबंदी के लिए सखी ग्राम संघ ने पुलिस स्टेशन पर आंदोलन बुलडाना तालुका के मौजे खुपगाँव में सखी ग्राम संघ की महिलाओं ने आज 7 सितंबर को ग्रामीण पुलिस स्टेशन पर हमला किया और गाँव में शराब बंद करने का निवेदन देकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। बुलडाणा, कोरोना काल के दौरान भी, जिले में अवैध व्यापारों को देखा गया था। देसी, विदेशी शराब, गुटखा आदि का अवैध व्यापार शुर है। इसका विरोध करने के लिए बुलडाना तालुका के मौजे खुपगाँव में सखी ग्राम संघ की महिलाओं ने आज 7 सितंबर को ग्रामीण पुलिस स्टेशन पर आदोलन किया और गाँव में शराब बंद करने का निवेदन देकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।बुलडाना पुलिस ठाणे की सीमा में मौजे खुगाँव गाँव की महिलाएँ पहले ही ग्रामीण पुलिस से मिल कर इस समस्या से अवगत कराया था। और शराब पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक निवेदन प्रस्तुत कर चुकी हैं। पुलिस ने गांव की डिस्टलरी से शराब लाने की बात सामने आई है। हालाँकि, पिछले कई दिनों से गाँव में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। परिणामस्वरूप, गाँव के पुरुष नशे की लत पर चले गए हैं, जिसके कारण महिलाओं के खिलाफ मारपीट की घटनाओं में वृद्धि हुई है। जिस के कारण महिलाओं क संसार उथलपुथल होकर रहे गया। कुछ ने आत्महत्या भी की है। दूसरी ओर, युवा पीढ़ी आदी होती जा रही है। इसलिए, प्रशासन से पहले भी कुछ ने आत्महत्या भी की है। इसलिए, इससे पहले भी, सरकार प्रशासन ने गांव में शराब पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया था। महिलाओं द्वारा इस तरह का दुख व्यक्त किया गया था। इस निवेदन पर सोनाबाई गायकवाड, छाया पडोळ, सरस्वतीडूकरे, आनंदाबाई गायकवाड, अलकाबाई जाधव, शशीकलाबाई पडोळ, कांता जाधव, अलका डुकरे, मंगला मोरे, वेणूबाई सरकटे लिलाबाई नाटेकर आदी 30 ते 40 महिलांओ के हस्ताक्षर हैं।

सृजन साहित्यसंघ की जिला शाखा कार्यकारिणी की घोषणा

बुलढाणा। मराठी साहित्य और वैचारिक निर्माण के लिए अग्रणी, सृजन साहित्य संघ की बुलंदाना जिला शाखा की कार्यकारी शाखा का गठन आज, 2 सितंबर को किया गया है, और दंत चिकित्सक डॉ. आशीष खसबगे को संघ की जिला शाखा अध्यक्ष चुना गया है। कार्यकारिणी की घोषणा श्रीजन साहित्य संघ के संस्थापक और केंद्रीय अध्यक्ष रवींद्र जावड़े ने की है। रमेश अरख को बुलदाना शाखा का सचिव चुना गया और प्रशांत खंडारे को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया। जिला उपाध्यक्ष के रूप में आदर्श शिक्षक डॉ. मंजुश्री खोबरागड़े और डॉ. मीना सोसे को चुना गया है। शत्रुघ्न कुसुम्बे, योगेश देवकर, दीपक फाल्के, काशीराम वाघमारे, संदीप राउत, सचिन ताम्बेकर, सुरेश राउत और किशोर भागवत को जिला कार्यकारिणी सदस्यों में चुना गया है।साहित्यिक संस्कृति को और समृद्ध किया जाएगा ऐसा विश्वास डॉ. आशिष खासबागे व्यक्त किया है।

सिर्फ 50 रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए तीन ट्रैफिक पुलिसकर्मी

बुलढाणा। मवेशियों को लेकर जाने वाले वाहन चालक को धमकी देकर जबरन उससे केवल 50 लेते तीन ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को अकोला के लाजलूजपत प्रतिबंधक विभाग के दस्ते ने रंगे हाथ पकड़ लिया। यह मामला आज दोपहर उजागर हुआ। विवरण के अनुसार फरियादी मुन्ना राठौड़ एक छोटा हत्ती वाहन मैं मलकापुर से धाड ले जा रहा था। इस बीच मलकापुर रोड पर चौधरी पेट्रोल पंप के सामने, सुरेश किसान कचरा, उमेश भूटे, विशाल वार्डकर तीनों ट्रैफिक पुलिस ने वाहन को रोक कर ड्राइवर को पीटा गया और उससे केवल 50 रुपये की राशि ली। जैसे ही उस से राशि स्विकारा लुचपत प्रतिबंधक अधिकारीयों ने ट्रैफिक पुलिस कमीयों को रंगे हाथ पकड़ लिया। मुन्ना राठौर ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

किडनी को रखना है स्वस्थ तो करें इन जड़ी-बूटियों का सेवन

भागदौड़ भरी जिंदगी में गलत खान-पान के कारण किडनी से संबधित समस्याएं बढ़ती जा रही है। किडनी शरीर का खास हिस्सा है जो शरीर से विषैले पदार्थ को बाहर निकालने में मदद करती है और शरीर को रोगों से बचाती है। इसलिए स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है। अगर आप चाहते हैं आपकी किडनी सही तरीके से काम करें तो दिन में अधिक से अधिक पानी पीएं और कुछ जड़ी बूटियों की भी मदद ले सकते हैं। इन जड़ी बूटियों से किडनी स्टोन, किडनी कैंसर और किडनी से संबंधित अन्य समस्याओं से बचा जा सकता है।
आज हम आपको ऐसी जड़ी बूटियों को बारे में बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

1. अजमोद हर्ब
इसमें लूटेओलिन एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो शरीर से विषैले पदार्थ फ्री रेडिकल्स को बाहर निकाल कर किड़नी को स्वस्थ रखने में मदद करता है। अजमोद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. धतूरे की जड़
किडनी को मजबूत करने में धतूरे की जड़ काफी मददगार है। यह रक्त शुद्धिकरण करने में भी मदद करती है। इसके सेवन से शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एसिड और विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। यह पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन को बाहर निकाल कर हार्मोन में संतुलन बनाएं रखता है।

3. अमरबेल हर्ब
अमरबेल पौधे के पीले फूल रक्त की शुद्धिकरण में मदद करते हैं। यह किडनी के अलावा लीवर को भी स्वस्थ रखता है।

4. करौंदा जड़ी बूटी
यह बहुत फायदे की जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट किडनी से यूरिक एसिड को बाहर निकालने में मदद करता है। इसमें यूरिया निकालने की क्षमता होती है।

5. सिंहपर्णी की जड़
यह लीवर और किडनी से विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर उनकी कार्य करने की क्षमता को बढ़ाती है। यह भी रक्त शुद्धिकरण में मदद करता है।

6. मंजिष्ठा हर्ब
इसे आयुर्वेद में बहुत अच्छा माना गया है। यह किडनी के अलावा रक्त से भी विषैले पदार्थों को बाहर निकाल कर शुद्ध करता है।

7. गोल्डनरॉड (Goldenrod)
गोल्डनरॉड के सेवन से किडनी में मौजूद विषैले पदार्थ बाहर निकलते है और यह किडनी को मजबूत रखने में मदद करता है।

8. गुडूची(Guduchi)
किडनी को स्वस्थ रखने में यह बहुत कारगार उपाय है। गुडूची रक्त में होने वाले विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है इसलिए इसका सेवन धूम्रपान और शराब पीने वाले लोगों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

पार्लर से नहीं, घर पर इन 5 आसान स्टेप से करें बॉडी पॉलिशिंग

खूबसूरती के लिए लड़कियां कई ब्यूटी ट्रीटमेंट लेती है, जिसमें से एक है बॉडी पॉलिशिंग। बॉडी पॉलिशिंग आपके पूरे शरीर की खूबसूरती बढ़ाने का सबसे लाजवाब तरीका है। इससे बॉडी पर न सिर्फ ग्लो आता है बल्कि इससे पूरे शरीर की स्किन सॉफ्ट और स्मूद भी हो जाती है। लड़कियां पार्लर में जाकर बॉडी पॉलिशिंग पर पैसे खर्चती हैं लेकिन आप घर पर भी आसान स्टेप से बॉडी पॉलिशिंग कर सकते हैं। इससे आपके पैसे भी बच जाएंगे और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

क्या होती है बॉडी पॉलिशिंग
बॉडी पॉलिशिंग एक ऐसा ट्रीटमेंट है, जिससे पूरे शरीर को एक्सफोलिएट और मॉइश्चराइज्ड किया जाता है। इससे आपको सन डैमेज और डिहाईड्रेट स्किन से राहत मिलती है। इसके अलावा नियमित रूप से हर महीने 1 बार बॉडी पॉलिशिंग करने से डेड सेल्स निकल जाते हैं और शरीर में नए सेल्स बनते हैं। इसे कराने से शरीर में ऑक्सीजन स्पलाई भी अच्छी तरह होती है।

बॉडी पॉलिशिंग के लिए जरूर सामान
स्क्रब
प्यूमिस स्टोन
जैतून का तेल

इस तरह करें बॉडी पॉलिशिंग
स्टेप-1
बॉडी पॉलिशिंग करने के लिए सबसे पहले एक तौलिए को गर्म पानी में भिगोएं और इससे पूरे शरीर को साफ करें। आप चाहें तो शरीर को साफ करने के लिए गुनगुने पानी से शॉवर भी ले सकती हैं।

स्टेप-2
शरीर को साफ करने के बाद जैतून के तेल को गुनगुना कर लें। इसके बाद इससे चेहरे और शरीर पर मसाज करके 5-10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद शरीर को साफ कर लें।

स्टेप-3
तेल साफ करने के बाद पूरे शरीर पर स्क्रब लगाएं। इसके लिए आप घर में चीनी और शहद को मिलाकर भी स्क्रब बना सकती हैं। आप चाहें तो अपनी स्किन टाइप के हिसाब से मार्केट में मिलने वाले स्क्रब का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

स्टेप-4
इसके बाद प्यूमिस स्टोन की मदद से कोहनी, घुटने, एड़ियों और शरीर के सख्त हिस्से को साफ करें। शरीर के बाकी हिस्सों को चेहरे को हाथ से रगड़ कर साफ कर लें।

स्टेप-5
5-10 मिनट बाद गुनगुने पानी से शॉवर ले लें। शॉवर लेने के बाद मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाएं। बॉडी पॉलिशिंग करने के करीब 2-3 दिन तक नहाते समय साबुन का इस्तेमाल न करें।

एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स दबाएं और हर बीमारी का समाधान पाएं
पैरों के एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स : शरीर में कई ऐसे प्रेशर प्वाइंट्स होते हैं, जिनका कनेक्शन शरीर के दूसरे भागों से होता है। हाथों-पैरों के इन प्वाइंट्स को दबाकर रोगों का इलाज किया जा सकता है। पैरों के इन प्वाइंट्स को रोज 10 या 15 मिनट तक दबाकर कई बीमारियों से राहत पाई जा सकती है। पैरों के इन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को अच्छी तरह और सही तरीके से दबाकर आप मांसपेशियों की ऐंठन या जकड़न, ब्लोटिंग, अपच, भूख से संबंधित समस्या को दूर कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि पैरों के नीचे मौजूद किन एक्यूप्रेशर प्वाइंट्स को दबाकर आप बीमारियों से छुटकारा पा सकते हैं।

बच्चों में शुरू से डालें ये 5 आदतें, कभी नहीं होगी दिल की बीमारी

दुनियाभर में दिल के रोगों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हर साल करोड़ों लोग हृदय रोगों के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण बचपन से ही खान-पान की गलत आदत और कम शारीरिक मेहनत है। इसी कारण बच्चों में भी हार्ट के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगर दिल को स्वस्थ रखने का सबसे आसान तरीका है स्वस्थ और पौष्टिक आहार खाना। बच्चों में बचपन से ही कुछ आदतें डाली जाएं, तो उनमें दिल की बीमारियों की आशंका कम होती है और वो एक स्वस्थ और लंबा जीवन जी सतके हैं।

पढ़ाई के साथ खेल और एक्सरसाइज
आजकल माता-पिता बच्चों को हर समय पढ़ने की नसीहत देते हैं। मनोवैज्ञानिक आधार पर देखें तो बच्चे एक दिन में 8-10 घंटे से ज्यादा पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। इसमें स्कूल में पढ़ाई का समय भी शामिल है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की फिजिकल फिटनेस भी जरूरी है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रेरित करें और रोज कम से कम आधा घंटा एक्सरसाइज करवाएं। बच्चों को एक्सरसाइज करवाने के लिए आप भी एक्सरसाइज करें। इससे आप भी फिट रहेंगे। रोजाना आधा घंटा एक्सरसाइज करके आप दिल की बीमारियों की आशंका को 60 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट की आदत डालें
कोलेस्ट्रॉल, नमक और चीनी इसलिए खाने में इन तीनों का संतुलन जरूरी है।

वजन न बढ़ने दें
बच्चों में आजकल मोटापे की समस्या बहुत ज्यादा हो रही है। मोटापे की वजह से कई तरह के गंभीर रोगों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए बचपन से ही बच्चों को मोटापे से दूर रखें। अगर बच्चे रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे और हेल्दी डाइट लेंगे, तो उनका वजन कंट्रोल रहेगा और बॉडी फिट रहेगी। इससे उनका विकास यानि शरीर की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती भी अच्छी रहेगी। वजन कंट्रोल करने में नियम का पालन बहुत जरूरी है। पूरे परिवार के खाने का समय और सोने का समय तय कर दीजिए। अनियमित जीवन के कारण कई बार हेल्दी चीजें खाने के बावजूद आप बीमार पड़ सकते हैं।

ब्लड प्रेशर पर नजर रखें
ब्लड प्रेशर का सही होना बहुत महत्वपूर्ण है। दिल की बीमारियों की मुख्य वजह भी ब्लड प्रेशर ही होता है। ब्लड प्रेशर पर नजर रखने के लिए इसे रेगुलर बेसिस पर चेक करते रहना जरूरी है। ब्लड प्रेशर बताता है कि आपके दिल को आपके शरीर के लिए ब्लड पंप करने में कोई परेशानी तो नहीं हो रही है।

भी आप स्मार्टली हेल्दी तरीके से बना सकती हैं। फल और सब्जियां खूब खिलाएं। रोजाना सुबह चार बादाम और एक ग्लास दूध आपके लाडले को दिन भर एनर्जी और पोषण भी देंगे और इससे बच्चों की मेमोरी पावर भी अच्छी हो जाएगी। दिल के लिए सबसे घातक होता है

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत के सपोर्ट में आई दीया मिर्जा

पिछले दिनों बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत और शिवसेना नेता संजय राउत में जमकर बहस हुई। कंगना रनौत ने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से कर दी थी। इसके बाद एक न्यूज चैनल से बात करते हुए संजय राउत ने भाषा की मर्यादा को पार करते हुए कंगना रनौत को 'हरामखोर लड़की' बोल दिया था। इसके बाद बहुत सारे लोग कंगना के सपोर्ट में आगे आए हैं जिनमें से एक ऐक्ट्रेस दीया मिर्जा भी हैं। संजय राउत की भाषा पर सख्त नाराजगी जताते हुए दीया ने कंगना के सपोर्ट में लिखा, संजय राउत के द्वारा शब्द 'हरामखोर' का इस्तेमाल किए जाने का मैं सख्त निंदा करती हूं। सर, आपको पूरा अधिकार है कि आप कंगना ने जो कुछ कहा उस पर नाराजगी जताएं लेकिन ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने के लिए आपको माफी मांगनी चाहिए। संजय राउत के बयान पर कंगना ने भी रिऐक्शन देते हुए ट्विटर पर लिखा, साल 2008 में मूवी माफिया ने मुझे पागल लड़की घोषित किया, 2016 में उन्होंने मुझे पीछा करने वाली और चुड़ैल कहा और अब 2020 में महाराष्ट्र के एक मंत्री मुझे हरामखोर लड़की का टाइटल दे देते हैं, क्योंकि मैंने यह कहा था कि एक मर्डर के बाद मुझे मुंबई में डर लगता है। आखिर अब कहां हैं असहिष्णुता की बात करने वाले लोग?

रिया के सपोर्ट में तापसी पन्नू

सुशांत सिंह राजपूत के पिता केके सिंह ने जुलाई में रिया चक्रवर्ती के खिलाफ पटना में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने रिया पर पैसों के हेरफेर का आरोप लगाया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल जांच कर रहा है और इसको लेकर रिया से भी पूछताछ हुई। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी को सुशांत के बैंक अकाउंट से किसी संदिग्ध लेनदेन का सबूत नहीं मिला है। इस पर ऐक्ट्रेस तापसी पन्नू रिया के सपॉर्ट में आई हैं और कहा कि सफल व्यक्ति के साथ रिश्ते में रहने वाले हर महिला पैसों के पीछे नहीं होती। तापसी पन्नू ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, हर महिला अपने से अधिक सफल पुरुष के साथ रिश्ते में रहने वाली महिला गोल्ड डिगर नहीं होती। बाकी सच्चाई और जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। एक समय में एक ही कदम उठाना चाहिए। इससे पहले रिया चक्रवर्ती के खिलाफ मीडिया ट्रायल पर तापसी पन्नू ने कहा था, मैं सुशांत को पर्सनल लेवल पर नहीं जानती थी और न ही रिया को जानती हूं। हां, लेकिन इतना जरूर पता है कि किसी को दोषी तब तक नहीं ठहराना चाहिए जब तक उसका दोष साबित नहीं हो जाता। आप कानून से ऊपर नहीं हैं। कानून पर विश्वास रखिए।

...सिनेमाघरों की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए : रणदीप हुड्डा

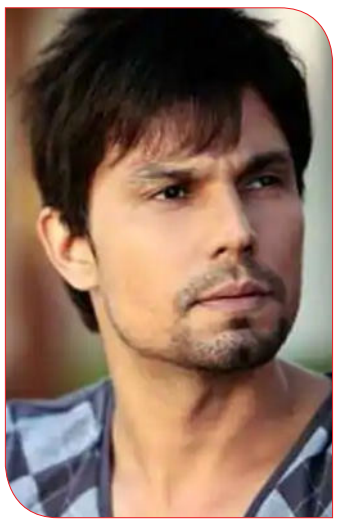

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों का हवाला देते हुए सरकार ने अनलॉक 4 में थिअटर्स को खोलने की अनुमति नहीं दी है। पिछले 6 महीनों से थिअटर इंडस्ट्री का बड़ा नुकसान हुआ है और रेवन्यू जीरो रहा है। देश भर में लोगों ने सिनेमाघरों के लिए समर्थन व्यक्त करते हुए कई हैशटैग के साथ ट्वीट किया। सिनेमाघरों को खोलने को लेकर अब बॉलिवुड ऐक्टर रणदीप हुड्डा ने अपनी बात रखी है। रणदीप हुड्डा ने कहा कि दुनिया भर में बहुत सी जगह थिअटर खुले चुके हैं। हॉलिवुड फिल्म 'टेनेट' को हाल ही में बड़े पर्दे पर रिलीज किया गया और इसे अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। लेकिन फिल्मों को दिखाने के लिए फिल्मों के निर्माण को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। मुझे यकीन है कि प्रड्यूसर्स असोसिएशन और सरकार को समाधान के लिए एक साथ आएंगे। अगर सबकुछ खुल रहा है तो सिनेमाघरों को सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए। रणदीप हुड्डा ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि फिल्म इंडस्ट्री जल्द से जल्द अपने पैरों पर खड़ी हो जाएगी। यह लाखों को लोगों को रोजगार देती है। उनकी आजीविका इस पर निर्भर करती है। फिल्म इंडस्ट्री लोगों का मनोरंजन भी करता है और लाखों लोगों को काम देता है। हमने लॉकडाउन के दौरान मनोरंजन के महत्व को महसूस किया है। ओटीटी पर फिल्मों और अन्य कॉन्टेंट ने हमें बनाए रखा। कला हमारे अस्तित्व के लिए अभिन्न अंग है। मुझे उम्मीद है कि हमारी व्यवस्था पटरी पर लौट आएगी।